इकाई-2

4. जीव उनके निवास
(Shelter of Animals)

उस दिन रविवार था। महेश, कमला, लता, सलीम, डेविड बगीचे देखने गये। बगीचे के बगल में महेश के खेत हैं। बगीचे और खेत में तरह-तरह के जीव-जंतु दिखायी दिये। नीचे दिया गया चित्र देखो। बताओ उन्होंने क्या-क्या देखा।

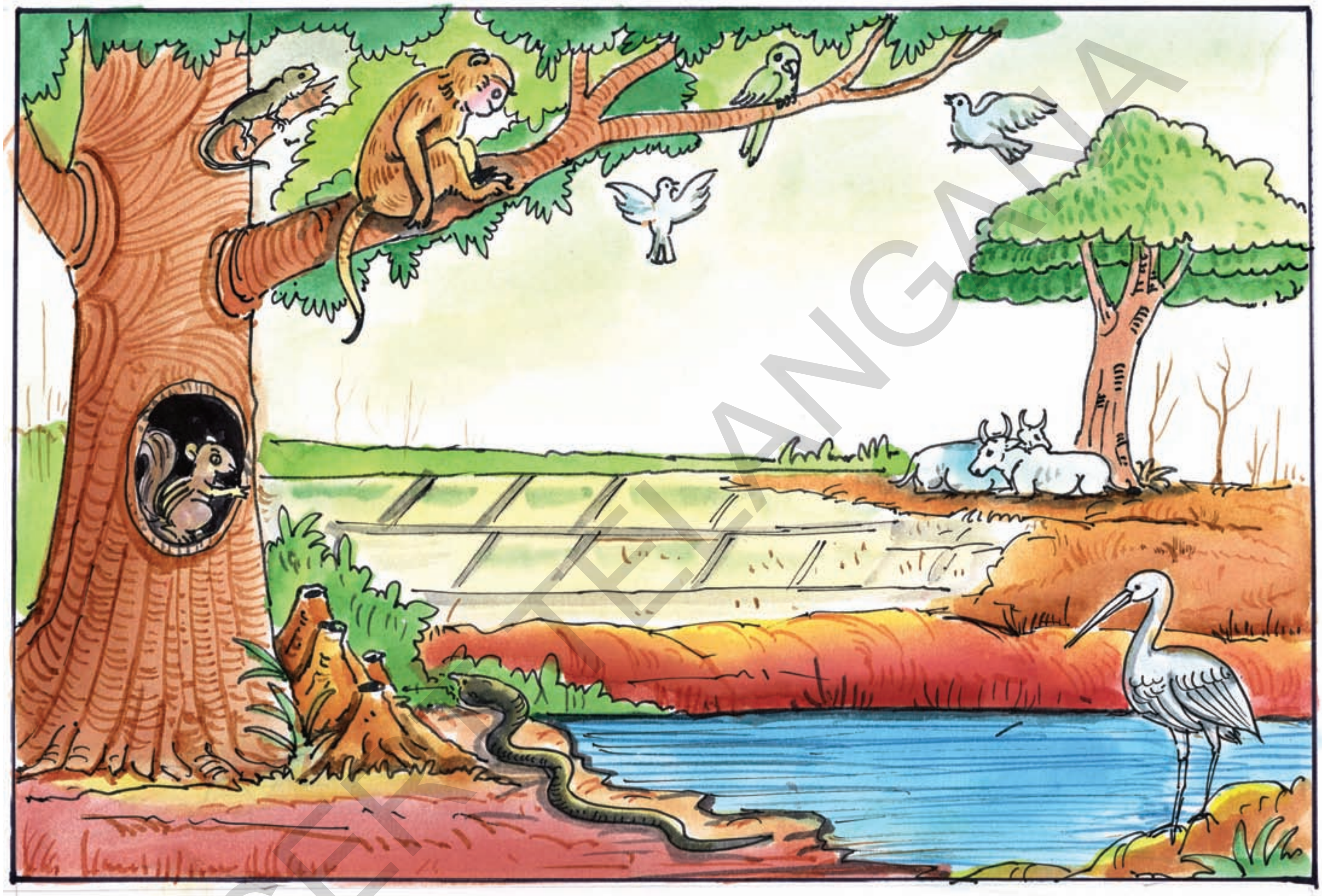

- उक्त चित्र में कौन-कौन से जानवर और पक्षी हैं?

- तुम अपने चारों ओर कौन-कौन से जानवर और पक्षी देखते हो?

बगीचे में सब दोपहर तक खेले। महेश हाथ धोने के लिए तालाब के पास गया। तालाब में और तालाब के किनारे भी कई जीव दिखायी दिये। तुरंत सभी दोस्तों को तालाब के पास आने के लिए कहा। पानी में रहने वाले जीव को देखने के लिए कहा। उन्होंने पानी में किन-किन जीवों को देखा, बताओ।

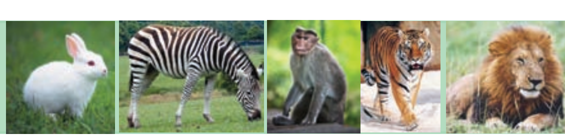

नीचे दिया चित्र देखो। उसमें कौनसे प्राणी दिखायी दे रहे हैं? वे कहाँ रहते हैं, बताओ।

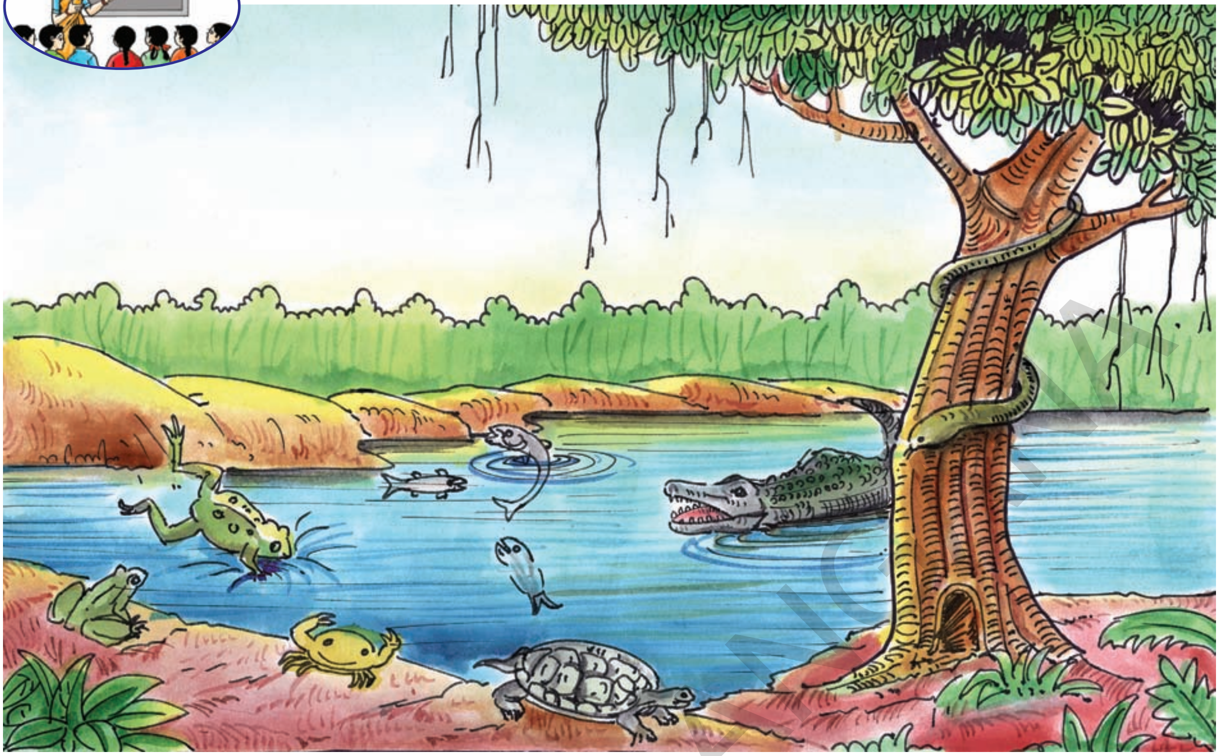

मछली पानी में रहती है। कुछ तरह के साँप पानी में रहते हैं; और कुछ जमीन पर। उसी तरह मेंढ़क, कछुए, मगरमच्छ, केकड़े जैसे जीव पानी में तथा जमीन पर रहते हैं।

जीव अलग-अलग स्थानों पर रहते हैं। कुछ पेड़ पर, कुछ पानी में, कुछ जमीन पर कुछ जमीन के भीतर बिल बनाकर रहते हैं।

नीचे दिये चित्र देखो।

कौन से जीव कहाँ रहते हैं, बताओ।

जीव के नाम	आवास
....	....
....	....
....	....

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

कुछ जानवर हमारे घर के पास भी दिखायी देते हैं। नीचे दिये चित्र देखो। घर में रहने वाले जानवरों में रंग भरो। इस तरह घर में पाले जाने वाले जानवरों को "पालतू जानवर" कहते हैं।

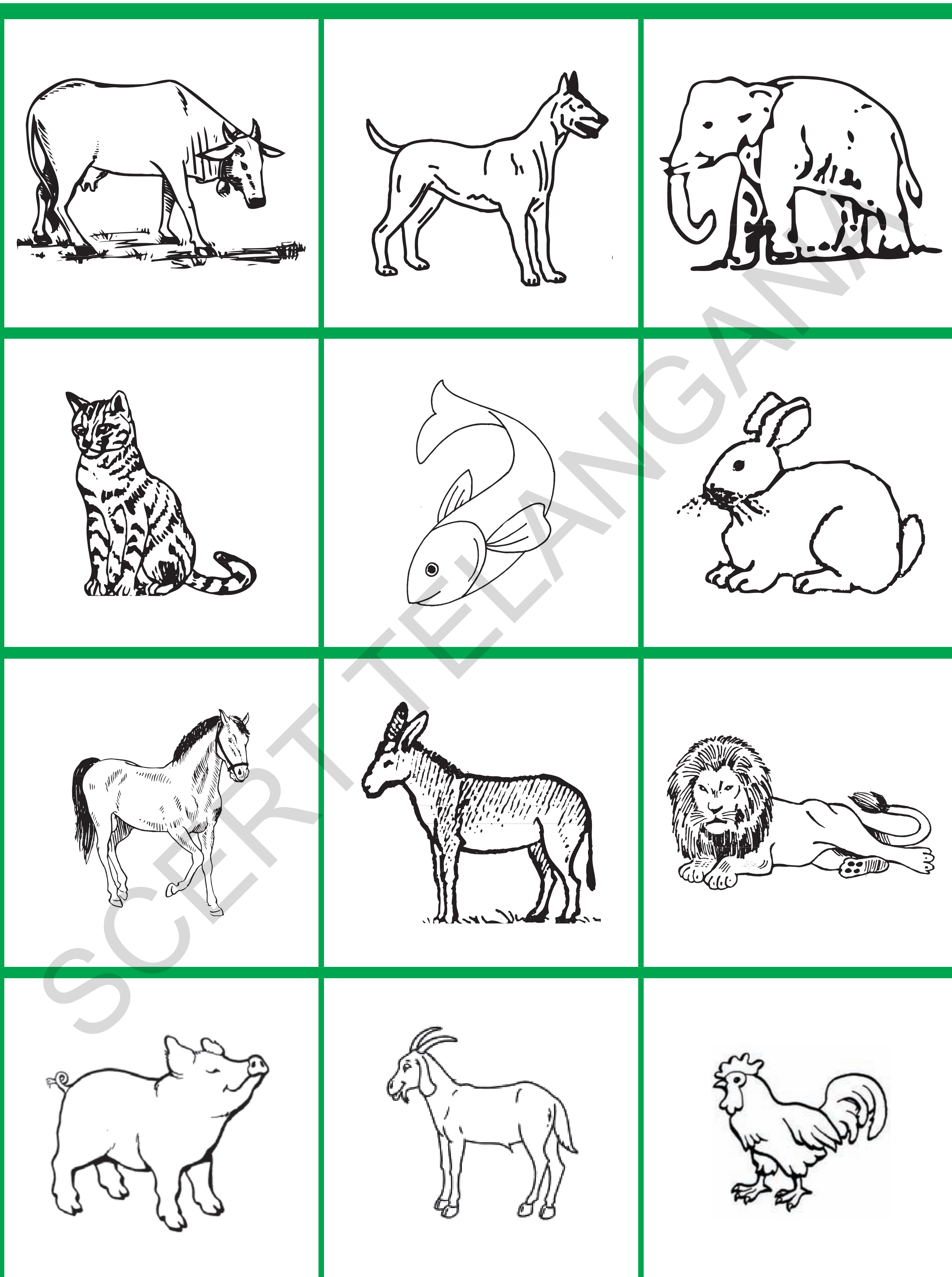

SCERT TELANGANA

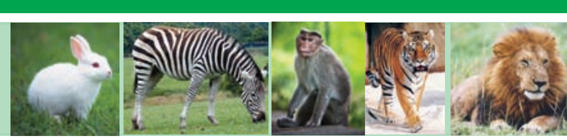

पक्षी कहाँ रहते हैं?

रंगा के घर वासु आया। घर की छत से लटकते बर्तन में पानी पीते हुए, नहाते हुए चिड़ियाँ दिखायी दीं। रंगा मुट्ठी भर अनाज लाकर छिड़कने पर सारी चिड़ियाँ आकर जल्दी-जल्दी दाना खाने लगीं। यह देखकर वासु को बड़ी खुशी हुई। "चिड़ियाँ कितनी सुंदर हैं!" वासु ने कहा। रंगा वासु को आंगन में ले गया।

आंगन में पेड़ पर कौए का घोंसला दिखायी दिया। उसमें कौए के बच्चे दिखायी दिये। रंगा को यह देखकर बड़ी खुशी हुई।

- कौए घोंसला क्यों बनाते हैं?
- इस तरह पेड़ पर घोंसला बनाने वाले पक्षियों के नाम लिखो।

आप जानते हो पक्षी पेड़ पर घोंसला बनाते हैं! तो फिर नीचे दिये चित्र देखो। वे कौन से पक्षी हैं, बताओ। उसी तरह वे कहाँ रहते हैं, बताओ।

पक्षी का नाम	पक्षी का नाम	पक्षी का नाम ....
आवास	आवास	आवास ....

उक्त पक्षियों को छोड़कर और कुछ पक्षियों के आवास बताओ।

SCERT TELANGANA

भ्रमणकारी पक्षी

रंगा, वासु शाम को खेलते हुए आकाश में उड़ते हुए पक्षियों के झुंड को देखा। वे सभी एक ही पंक्ति में उड़ते हुए सुंदर दिखायी पड़ रहे थे। वासु ने पूछा- "वे तो कभी-कभी दिखायी देते हैं न! वे कहाँ रहते हैं?" "ये हमेशा नहीं दिखायी देते। मार्च महीने में दिखायी देते हैं", रंगा ने कहा।

कुछ पक्षी अंडे देकर बच्चों को सेने के लिए या आहार के लिए एक प्राँत से दूसरे प्राँत जाते रहते हैं। उसी तरह कुछ और पक्षी गर्मी के दिनों में या ठंडी के दिनों में वहाँ के तापमान को सहन न करने के कारण दूसरे प्राँतों में चले जाते हैं। ऐसे पक्षियों को "भ्रमणकारी पक्षी" कहते हैं।

क्या तुमने कभी आकाश में भ्रमणकारी पक्षियों को झुंड में उड़ते हुए देखा है?

जानवर कैसे चलते है? इसकी चर्चा किजिए।

जीव-जंतु एक स्थान से दूसरे स्थान जाने के लिए कुछ चलते हुए, कुछ रेंगते हुए, कुछ छलांग लगाते हुए, कुछ उड़ते हुए जाते हैं और कुछ तैरते हुए जाते हैं। इसके लिए वे अपने पैरों या अपनी पूँछ का उपयोग करते हैं। नीचे दिये चित्र को देखकर बताइए कौनसे जीव उड़ते है, कौनसे रेंगते है और कौनसे छलांग लगाते है?

SCERT TELANGANA

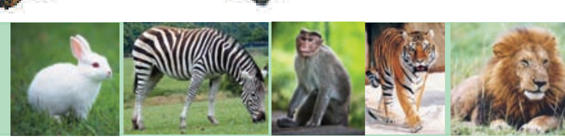

करो और देखो

- अपने मनपसंद जानवर का चित्र उतारो।
- अब तुम तीन-तीन विद्यार्थी समूह में बैठो। प्रत्येक विद्यार्थी एक-एक कागज लो। उसे तीन भागों में मोड़ो।

1. समूह में एक पहले मोड़ में अपने मनपसंद जानवर का सिर या गला उतारकर, उसे मोड़ो और दूसरे समूह वाले को दें।

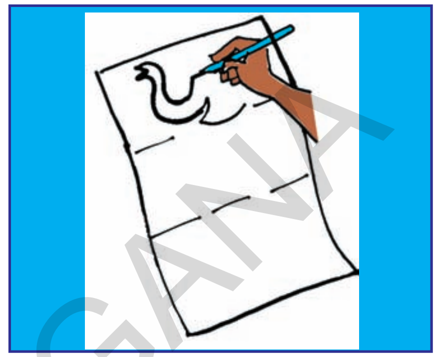

2. अब दूसरे समूह के बच्चे उस मोड़े हुए कागज़ के दूसरे हिस्से में अपने मनपसंद जानवर का धड़ उतारेंगे। फिर उस कागज़ को तीसरे समूह वालों को देंगे।

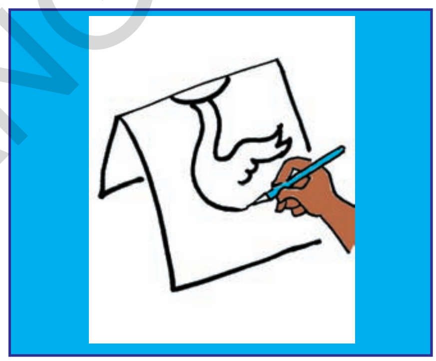

3. तीसरे समूह के बच्चे मनपसंद जानवर के पैर उतारेंगे।

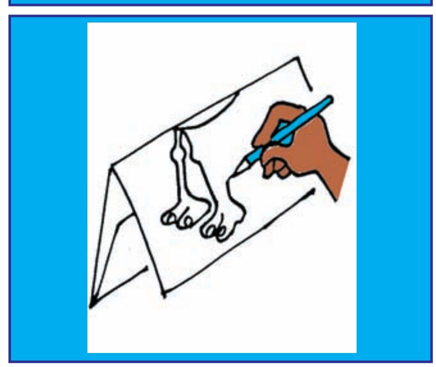

4. कागज़ के मोड़ खोल कर देखिए। है न यह एक अजीब जानवर का चित्र!

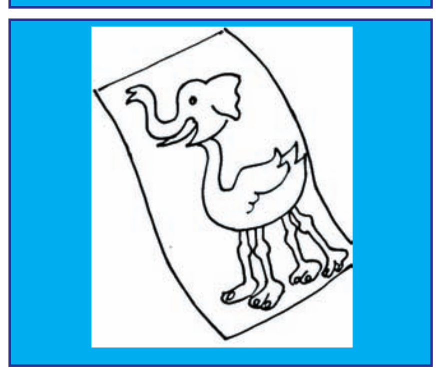

इसी तरह अन्य समूह के बच्चों द्वारा उतारे गये चित्रों को भी देखिए।

SCERT TELANGANA

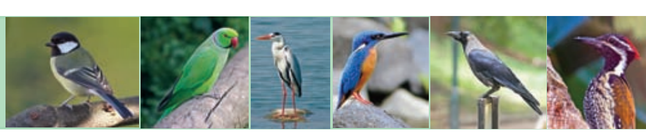

जया, विजया, लता ने भी इसी प्रकार से चित्र उतारा। चित्र देखो। इसमें कौनसा हिस्सा किस जानवर का है, पता लगाओ और बताओ।

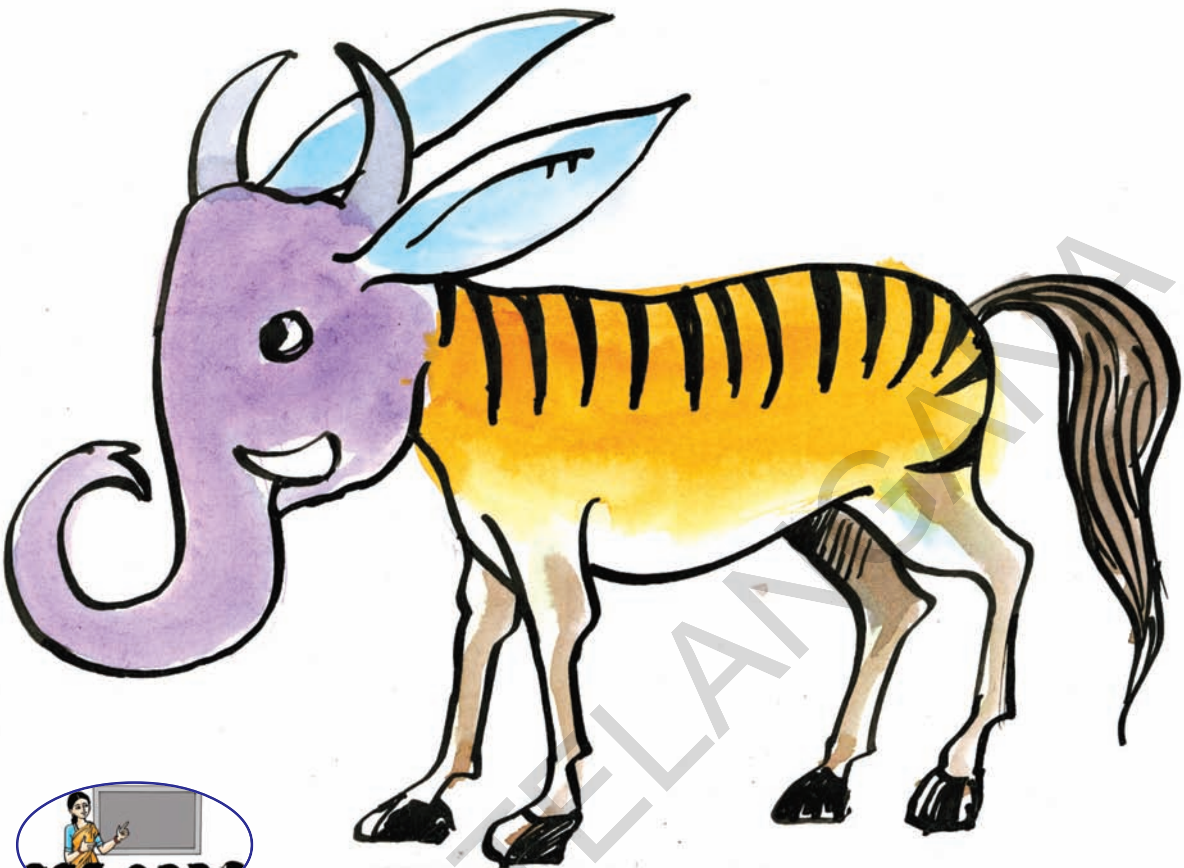

जीव-जंतुओं के प्रति दया दिखानी चाहिए।

एक दिन किट्टू पाठशाला जा रहा था। उसने रास्ते में पीड़ा से कराहते हुए कुत्ते के पिल्ले को देखा। उसके पैर में चोट लगी थी। किट्टू उसे अपने घर ले आया और पिताजी को दिखाया। पिता ने उसके घाव की मरहम पट्टी की। बाद में किट्टू एक बर्तन में दूध ले आया और उसे पिलाया। दूध पीने के बाद खुशी से पूँछ हिलाते हुए किट्टू के पास पहुँचा। किट्टू ने उसे प्यार से उसका नाम पिंकी रखा। उस दिन से पिंकी, किट्टू के परिवार में घुल मिल गया। किट्टू के द्वारा किये गये इस काम की पाठशाला में अध्यापकों तथा साथी विद्यार्थीयों ने भी खूब सराहना की।

SCERT TELANGANA

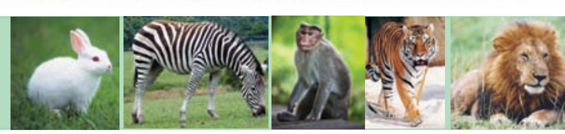

तुम जानते ही हो कि किट्टु ने क्या किया ?क्या तुमने भी ऐसा कभी किया है? क्या किया है? तुम्हारे घर में, गली में घूमने वाले भूख से तड़पते बिल्ली के बच्चे या कुत्ते के पिल्ले दिखायी देने पर तुम क्या करोगे?

तितली में रंग भरो।

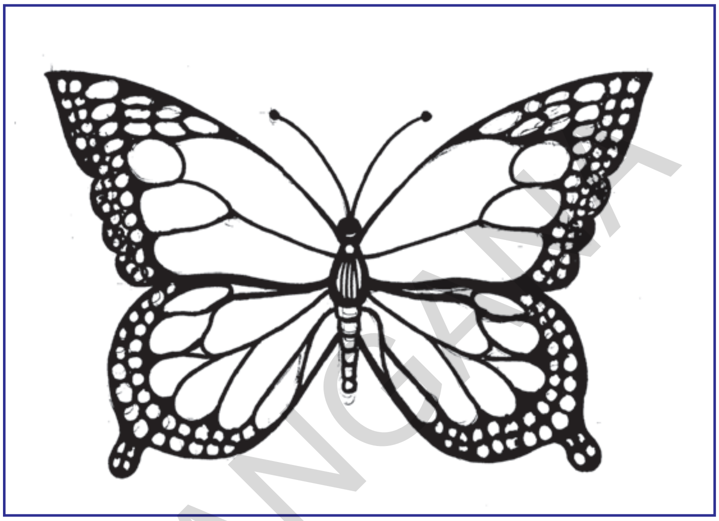

तितली कितनी सुंदर होती है! पेड़-पौधों पर मंडराती हुए बड़ी ही सुंदर दिखायी पड़ती है। उसी तरह भौंरे भी आकाश में उड़ते हुए दिखायी देते हैं तो हमारा परिसर सुंदर दिखायी पड़ता है। ऐसी सुंदरता को हमें बचाना चाहिए। किंतु कुछ शरारती बच्चे पेड़ पर चढ़कर पक्षी के अंडे फोड़ना, तितली, भौंरे के पंख तोड़ना, राह में दिखायी देने वाले कुत्तों पर पत्थर फेंकना आदि करते रहते हैं। यह बहुत ही बुरी बात है।

हमारे साथ-साथ परिसर में अनेक जीव-जंतु दिखायी पड़ते हैं। वे सभी हमारे जैसे जीव हैं। घायल होने पर हमारी तरह ही उन्हें भी पीड़ा होती है। इसीलिए उन्हें भी जीने देना चाहिए।

कीट

नीचे तरह-तरह के कीट दिये गये हैं। इन्हें तुमने कहाँ-कहाँ देखा है, बताइए।

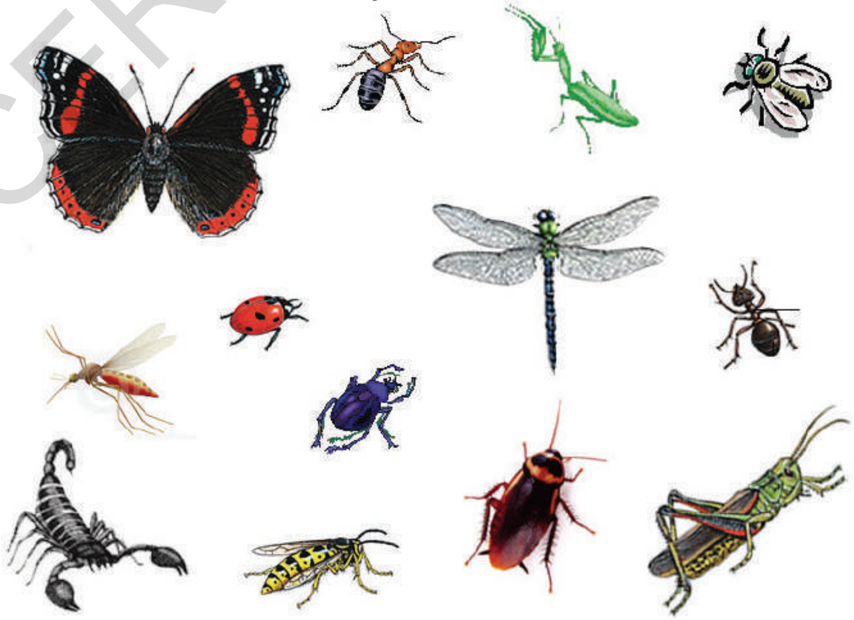

SCERT TELANGANA

कीटों के काटने पर क्या होता है?

राजु के दादाजी को ठंडी के कारण बुखार आ गया। डॉक्टर के पास ले जाने पर उसने दादाजी की जाँच करके बताया कि उन्हें मलेरिया हुआ है। मलेरिया बुखार के कारणों के बारे में राजु ने डॉक्टर से पूछा। डॉक्टर ने बताया कि विशेष तरह के मच्छरों के काटने से मलेरिया बीमारी होती है।

> मच्छरों से बचने के लिए क्या सावधानी बरतनी चाहिए?
>
> मच्छरों को रोकने के लिए क्या सावधानी बरतनी चाहिए?

क्या इन्हें देखा है? इसका उपयोग किसके लिए करते हैं, बताइए।

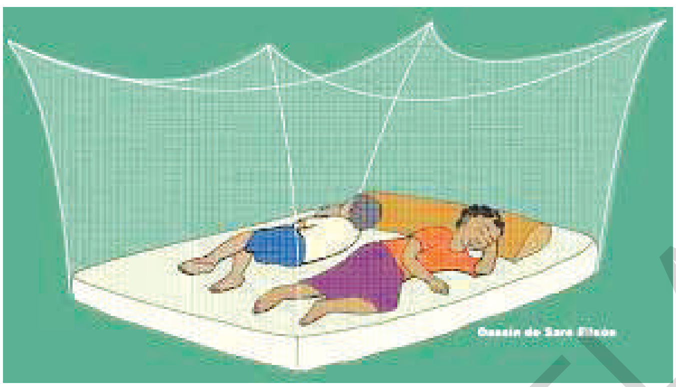

मच्छर ठहरे पानी में बढ़ते हैं। हमारे परिसर में पानी ठहरने नहीं देना चाहिए। ठहरे हुए पानी में मिट्टी का तेल या मलाथियन जैसी दवाओं को छिड़कने से मच्छर मर जाते हैं। मच्छरों से बचने के लिए मच्छर काइल का उपयोग करते हैं यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इसलिए मच्छरों को रोकने के लिए मच्छरदानी का उपयोग करना चाहिए।

उसी तरह मक्खियों के कारण भी अनेक हानियाँ होती हैं। मक्खियाँ गोबर के ढेर, गंदी जगहों पर होते हैं। ऐसी जगहों पर बीमारी पैदा करने वाले कीटाणु भी होते हैं। हमारे खाने वाले आहार पर मक्खियाँ आकर बैठती हैं। इस तरह मक्खियों द्वारा दूषित भोजन खाने पर टाइफाइड, कलरा जैसी बीमारियाँ फैलती हैं। इसीलिए आहार पदार्थों को ढककर रखना चाहिए।

> बिना ढक्कन के धूल जमने वाले आहार पदार्थ खाद्य सामग्री कहीं देखा है? उन्हें क्यों नहीं खाने चाहिए।

मक्खी, मच्छरों की रोकथाम के लिए हमारे परिसर में कहीं भी पानी को ठहरने नहीं देना चाहिए। कूड़ा-कर्कट कूड़ेदान में ही डालें। गंदे पानी में मच्छरों की रोकथाम के लिए मिट्टी का तेल, मलाथियन जैसी दवाओं का छिड़काव करना चाहिए। पानी के गड्ढे या उनमें कूड़ा-कर्कट आदि न डालें, ऐसा करने से परिसर स्वच्छ रहता है। घर में और बाहर स्वच्छता बनाये रखने पर मच्छर पैदा नहीं होते।

SCERT TELANGANA

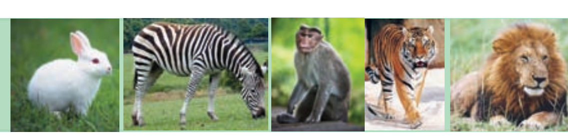

मुख्य शब्द

1. जीवों के आवास
2. पानी में रहने वाले जीव
3. भ्रमणकारी पक्षी
4. ज़मीन पर चलने वाले जीव
5. पालतू जानवर
6. कीटाणु
7. जीवों के प्रति दया
8. जीव
9. परिसर की स्वच्छता
10. मच्छर काइल्स
11. मलाथियान

हमने क्या सीखा

- जीव-जंतु ज़मीन पर, पानी में, पेड़ पर रहते हैं।
- घर में पाले जाने वाले जानवरों को "पालतू जानवर" कहते हैं।
- एक जगह से दूसरी जगह जीव-जंतु चलते, रेंगते, उड़ते, तैरते हुए जाते हैं।
- जीव-जंतुओं के प्रति दया दिखानी चाहिए। उन्हें आवश्यकता अनुसार आहार, पानी देना चाहिए। उनकी सुरक्षा करनी चाहिए।
- पक्षी आहार, अनुकूल वातावरण के लिए भ्रमण करते हैं। इन्हें "भ्रमणकारी पक्षी" कहते हैं।
- ठहरे हुए पानी में मच्छर पैदा होते हैं। इसलिए हमें अपने परिसर में पानी जाना नहीं होने देना चाहिए।
- गंदगी भरे परिसर में मक्खी, मच्छर होते हैं। इसीलिए हमें परिसर को स्वच्छ रखना चाहिए।

SCERT TELANGANA

इन्हें करो

विषय की समझ

1. पालतू जानवरों के कोई चार उदाहरण लिखो।
2. मच्छरों की रोकथाम के लिए क्या करना चाहिए?
3. पक्षी क्यों भ्रमण करते हैं?
4. पक्षियों और जानवरों में कोई तीन अंतर लिखो।
5. निम्न के तीन नाम लिखो।

(अ) उड़ने वाले	1.	2.	3. ....
(आ) रेंगने वाले	1.	2.	3. ....
(इ) चलने वाले	1.	2.	3. ....

5. मैं कौन हूँ? मैं कौन हूँ?

(अ) मैं दिखने में लंबा हूँ,
न आँखें हैं, न कान,
रेंगते हुए चलता हूँ, बिल में रहता हूँ।
मैं कौन हूँ? मैं कौन हूँ?

(आ) पानी में रहता हूँ,
तनिक भी न मैं सोता हूँ।
गलफ़ड़ों से साँसें लेता हूँ,
मैं कौन हूँ? मैं कौन हूँ?

(इ) हैं मुझको चार पैर,
"मैं-मैं" करता रहता हूँ।
पत्ते खाता रहता हूँ,
मैं कौन हूँ? मैं कौन हूँ?

(ई) पंखों वाला हूँ मैं जीव,
दूर गगन में उड़ता हूँ।
ऊँचाई से देख सकूँ हर जीव,
मैं कौन हूँ? मैं कौन हूँ?

रंग भरो। नाम लिखो।

1. नीचे दिये चित्र उतारो। रंग भरो।

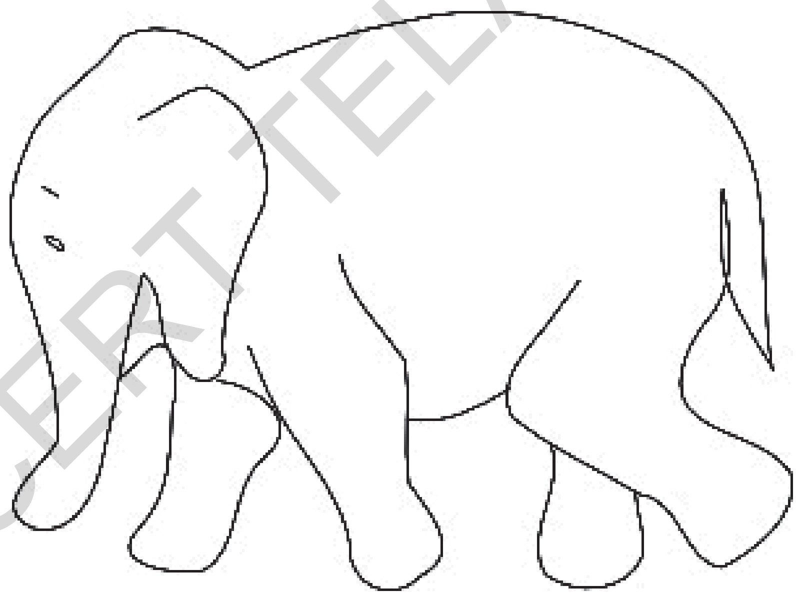

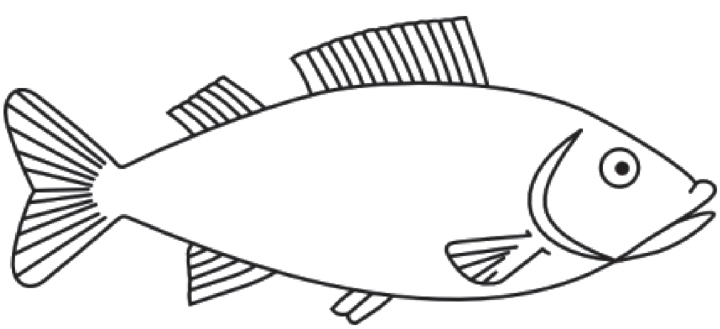

SCERT TELANGANA

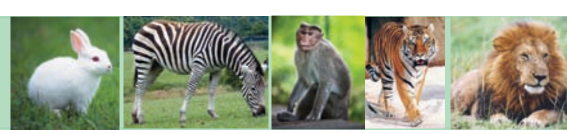

समाचार कौशल-परियोजना कार्य

1. जीव-जंतुओं के चित्र इकट्ठा करो। अलबम बनाओ। प्रत्येक जीव के बारे में दो-तीन वाक्य लिखो।

2. तुम अपने मित्रों के घर जाकर पता लगाओ कि वे किन-किन जानवरों को पाल रहे हैं। उनके बारे में निम्न तालिका में लिखो।

क्र.सं.	मित्र का नाम	पालने वाले जानवरों/पक्षियों के नाम

सबसे अधिक किन जानवरों को पाल रहे हैं?

प्रशंसा

1. पेड़ के घोंसले से पक्षी के अंडे नीचे गिर पड़े। अगर तुम वहाँ होते तो क्या करते, बताओ।

2. जीव-जंतु भी हमारी तरह ही प्राणी हैं। जीव-जंतु दुखी न हों, इसके लिए हमें क्या-क्या नहीं करना चाहिए, ऐसे तीन काम बताओ।

प्रश्न करना

1. ऋतु, सीता दोनों पेड़ पर रहने वाले पक्षियों के अंडों को बड़े ध्यान से देख रहे हैं। उनके बारे में मालूम करना चाहा। वहीं खड़े पेंचलय्या से से पक्षियों के अंडों के बारे में कुछ प्रश्न पूछे। उन्होंने क्या प्रश्न पूछे होंगे? सोचो और लिखो।

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1.	विविध जीव-जंतु कहाँ-कहाँ रहते हैं बताओ।	हाँ / नहीं
2.	पालतू जानवरों की जानकारी इकट्ठा कर तालिका बना सकता हूँ।	हाँ / नहीं
3.	पक्षी / जानवरों के चित्र बनाकर रंग भर सकता हूँ।	हाँ / नहीं
4.	जीव-जंतु मुझे पसंद है। मैं उन पर दया दिखाऊँगा।	हाँ / नहीं
5.	पक्षियों के अंडों के बारे में प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ / नहीं

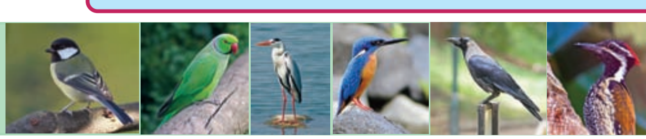

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

SCERT TELANGANA